



# बस में मिली अनजान औरत की चूत

“जनवरी में मैं बस से इंदौर से नीमच जा रहा था. मेरे साथ बुर्के वाली एक लेडी बैठी थी. उसे ठंड लग रही थी तो मैंने उसे अपना कम्बल शेयर करने को कहा. तो क्या हुआ ? ...”

**Story By:** (narendra)

**Posted:** Friday, December 27th, 2019

**Categories:** [कोई मिल गया](#)

**Online version:** [बस में मिली अनजान औरत की चूत](#)

# बस में मिली अनजान औरत की चूत

❓ यह कहानी सुनें

अंतरवासना के सभी प्रिय पाठकों को मेरा प्रणाम. पहले मैं सोचता था कि इस साईट की सारी कहानियाँ काल्पनिक हैं किंतु जब मेरे साथ भी ऐसी घटना हुई तब मुझे यकीन हुआ कि यह सब सच्ची कहानियाँ हैं. आज मैं उसी घटना को आपके साथ शेयर कर रहा हूँ. मैं आशा करता हूँ कि मेरी यह पहली कहानी आप सभी को पसंद आएगी और संयोगवश अगर भाषा त्रुटि रह गयी हो तो क्षमा करें.

मेरा नाम नयन है. मैं मध्य प्रदेश के इंदौर शहर में रहता हूँ और एक प्राइवेट आई टी कंपनी में इंजीनियर हूँ. मैं 23 साल का हूँ. मैंने अपने लंड का आकार कभी नापा नहीं है. पर मेरा लंड पहली बार जिस किसी भी उम्र की फीमेल की चूत में जाता है तो उसकी चीख जरूर निकाल देता है. शायद इसीलिए लड़कियों से ज्यादा आंटीज मुझे पसंद करती हैं.

यह घटना कुछ यूँ घटी कि जनवरी में मैं एक बार बस से इंदौर से अपने होम टाऊन (नीमच) जा रहा था, जो कि रात भर का सफर है. मैं अक्सर रात में ही सफर करता हूँ.

मैंने एक सीट बुक की थी. मैंने रात को 10 बजे अपने पिक अप पाइंट से बस पकड़ ली. मैं अपनी सीट पर जा कर बैठा, चूंकि ठंड बहुत थी तो मैं कम्बल ओढ़ कर आंखें बंद करके सो गया.

करीब 30 मिनट बाद कुछ आवाजें सुन कर मेरी आंख खुली, बस अगले स्टॉप से सवारी चढ़ा रही थी.

मैंने देखा कि मेरी बगल वाली विंडो सीट पर एक औरत बैठी हुई हैं. मैं तो उसे देखता ही

रह गया. क्या कमाल की खूबसूरती थी उसकी. उसने बुर्का पहना था और ऊपर स्वेटर डाल रखा था. उसकी उम्र कोई 29-30 साल की होगी, लम्बा कद, रंग गोरा, मस्त चूचियाँ, जिन्हें देखते ही किसी के भी मन बेकाबू हो जाए.

मैं उसे घूरे जा रहा था. तभी उसकी नजर मुझ पर पड़ी. मैंने उससे अपनी नजरें हटाई और दूसरी तरफ देखने लग गया. पर मेरा मन बार बार उसकी तरफ आकर्षित हो रहा था.

थोड़ी देर बाद बस इंदौर शहर के बाहर निकल गयी. धीरे धीरे ठंड भी बढ़ने लगी. चूंकि उसने सिर्फ स्वेटर पहना हुआ था तो उसे अब ठंड लग रही थी.

मैंने उसे ठिठुरते हुए देखा तो थोड़ा झिझकते हुए पूछ लिया- आपको ठंड लग रही है क्या ?

उसने कहा- नहीं.

मैं- अगर ठंड लग रही है तो आप मेरा थोड़ा कम्बल अपनी तरफ ले सकती हो.

उसने मेरी तरफ देखकर एक हल्की सी स्माइल दी और आधा कम्बल अपनी तरफ ले लिया. अब हम दोनों एक ही कम्बल में बैठे थे.

फिर उसने मेरा नाम पूछा, मैंने अपना नाम बताया. मेरे पूछने पर उसने अपना नाम शाईना बताया.

मैंने बात जारी रखते हुए पूछा- आप कहा तक जा रही हो ?

शाईना- नीमच, और आप ?

मैं- मैं भी.

शाईना- अच्छा हैं, नहीं तो मैं बिना बोले बोर हो जाती रात भर.

थोड़ी शरारत भरी मुस्कान लेकर मैं- ऐसे कैसे बोर हो जाती, मैं हूँ ना आपको खुश करने के

लिये.

शायद वो मेरी बात का मतलब समझ गयी. उसने कुछ ना कहा, बस एक स्माइल दे दी.

थोड़ी देर ऐसे ही बातें करते हुये उसकी आंख लग गयी.

तब मैंने उसके साथ चिपकना शुरु किया. कभी अपनी जांघों से उसकी जांघों को टच करता तो कभी अपनी कोहनी से उसके बूब्स को टच कर रहा था.

फिर मैंने डरते डरते अपना एक हाथ उसकी जांघ पर रख दिया और सोने का नाटक करने लगा.

कुछ समय बाद उसकी आंख खुली और मेरा हाथ अपनी जांघों पर देखा, पर वो कुछ ना बोली. मेरे हाथ के स्पर्श से वो भी गर्म होने लगी थी तो उसने अपनी जांघें थोड़ी और खोल दी ताकि मेरा हाथ उसकी चूत तक पहुँच सकें.

फिर मैंने भी अपना हाथ थोड़ा आगे बढ़ा कर उसकी चूत को टच कर लिया. और अपना हाथ बिना हिलाए 10 मिनट तक वहीं रखा.

मैंने आंख खोलकर उसको देखा, वो भी मुझे देख रही थी. आंखों ही आंखों में हम एक दूसरे की मंशा समझ गये.

मैं उसकी चूत को बुर्के के ऊपर से सहलाने लग गया. उसने भी अपना एक हाथ मेरी पैन्ट के ऊपर मेरे लौड़े पर रख दिया.

कुछ देरी ऐसे ही सहलाने के बाद मैंने शाईना से कहा- मुझे तुम्हारी चूत को चूसना है. हम दोनों पूरी तरह गर्म हो चुके थे तो अब रुकने का तो सवाल ही नहीं था.

उसने हाँ कर दी और अपने पजामे और पैन्टी को नीचे सरका दिया. अब मैं पूरा कम्बल में घुस कर अपनी जीभ उसकी चूत पर फेरने लगा. और मैं अपने हाथ से उसके बूब्स को पकड़

कर जोर से मसलता जा रहा था.

उनके मुँह से मस्त सेक्सी 'आ आ आआ ... उउउ उउ ... हह हहह ... अअ अअ ... उई उई उई' की आवाजें निकल गयी. बस में कोई जाग ना जाये, इसलिए उसने अपने होठों को अपने दांतों के बीच दबा लिया. और मेरा मुँह अपनी चूत पर पूरा दम लगा कर दबाये जा रही थी.

फिर कुछ देर चाटने के बाद उसकी चूत ने अपना पानी छोड़ दिया और मैं सारा पानी पी गया.

अब मैंने कम्बल से निकल कर शाईना से कहा- अब तुम्हारी बारी.

अब उसने अपना मुँह कम्बल में करके मेरी पैन्ट से मेरा लंड बाहर निकाल कर अपने मुँह में भर लिया. मेरा लंड काफी बड़ा है तो वो पूरा लंड अपने मुँह में नहीं ले पा रही थी. मैं भी उसका सर पकड़ कर अपने लंड से उसके मुँह को चोदे जा रहा था.

कुछ देर ऐसे ही उसको अपना लंड चूसाने के बाद उसके मुँह से लंड को बाहर निकाल लिया क्योंकि मैं अभी झड़ना नहीं चाहता था.

फिर हम दोनों कम्बल में घुस गये और एक दूसरे के होठों पर टूट पड़े. मन तो कर रहा था कि उसके सेक्सी गुलाबी होठों को खा जाऊं. करीब 15 मिनट की किसिंग के बाद हम अलग हुये.

अब मैं उसकी चुदाई करने के लिये तैयार था, परंतु वो बोली- यहाँ बहुत सारे लोग हैं, कोई देख लेगा. मैं इससे आगे कुछ नहीं करूँगी. काफी समझाने के बाद भी जब वो नहीं मानी तो मैंने इस प्रॉबल का एक साल्यूशन सोचा.

मैंने खुद को ठीक किया और आगे बस कंडक्टर के पास जाकर बोला- भाई, सीट पर ठंड

बहुत लग रही हैं. कोई खाली स्लीपर मिल सकता है क्या ?

चूँकि आधा सफर हो चुका था तो कुछ सवारी रास्ते में उतर चुकी थी. तो कंडक्टर ने कुछ और पैसे लेकर हमें एक खाली डबल स्लीपर दे दिया.

मैं शार्डिना को साथ लेकर उसमें बैठ गया.

स्लीपर में जाकर मैंने उसके परदों को लाक कर दिया. अब बारी थी चुदाई की !

तो मैंने शार्डिना के सारे कपड़े उतार दिये. क्या फिगर था उसका. शायद 36-28-38 रहा होगा. अपने भी सारे कपड़े उतार कर अपना लंड शार्डिना की चूत में डालने की तैयारी करने लगा.

अब शार्डिना से नहीं रहा जा रहा था- अब आ भी जाओ यार ... अब बर्दाश्त नहीं हो रहा है.

मैं भी अब बिना देर किये उसकी टांगों को उठा कर लंड घुसाने लगा. लेकिन उसकी टाईट चूत और मेरे लंड के बड़े साईज की वजह से लंड फिसल गया और चूत में नहीं घुसा. फिर दूसरी बार मैंने अपने लंड थोड़ा थूक लगाया और थोड़ा उसकी चूत पर. फिर लंड एक ही धक्के में आधा शार्डिना की चूत में उतर गया.

उसकी मुँह से 'आ ... आई ...' की चीख निकल गयी.

मैंने जल्दी से उसके होठों को किस करके उसकी चीख बंद की.

कुछ सेकंड्स के बाद मैंने एक और धक्का मार कर अपना पूरा लंड शार्डिना की चूत की गहराई में उतार दिया. आह ... क्या गर्म अहसास हो रहा था. इस बार धक्के से पहले मैंने उसके मुँह पर अपना हाथ रख दिया था, तो उसकी चीख बाहर नहीं निकल पायी.

कुछ समय रुकने के बाद अब मैं लंड को चूत के अंदर बाहर करने लगा. शार्डिना अपनी चूत

को सहलाते हुये सिसकारियां ले रही थी- आह्हह बेबी ... उम्मह... अहह... हय... याह... ऊं... ऊं... आई... ई ई सी... सी उफ़... उफ़ हाई... मजा आ रहा है.

वो अब मस्त होकर चुद रही थी. कुछ समय ऐसे ही मजेदार चुदाई के बाद शाईना का बदन ऐंठने लगा और बोली- यार, मेरा हो गया है, मैं झड़ने वाली हूँ.

तब मैंने उसे चोदने की रफ्तार बढ़ा दी. मेरे और 3-4 झटकों के बाद उसका चूत ने पानी छोड़ दिया और वो ढीली पड़ गयी लेकिन मैं अभी भी उसे चोदे जा रहा था. फिर मैं भी उसकी चूत में ही झड़ गया.

वैसे ही सोते हुए हम दोनों एक दूसरे को किस करने लगे. बहुत देर तक हम किस करते रहे. मैंने पहली बार इतनी देर तक किसी को किस किया था.

तब तक मेरा लंड फिर से शाईना को चोदने को तैयार हो गया. मैंने इस बार शाईना को अपने ऊपर बैठ कर चुदने को कहा. वो मेरे ऊपर आ गयी और अपनी चूत में मेरा लंड लेकर चुदने लगी. मैं भी नीचे से अपनी कमर उठा कर लंड को उसकी चूत में पेल रहा था.

उसके मुँह से निकलने वाली सिसकारियां 'उ... उ... उई... उई... ई... हई... और जोर से ...फक मी हार्ड बेबी ... फक मी...' मेरे जोश को और बढ़ा रही थी.

मैं उसे जोर-जोर से चोद रहा था. सच में मैं स्वर्ग में था. खूब मजा आ रहा था.

फिर शाईना बोली- नयन, अब मैं झड़ने वाली हूँ.

'ऊई... आह... ई... उम्म...' की आवाज करते हुए वह झड़ने लगी.

शाईना बोली- बेबी, इस बार मेरे मुँह में झड़ना तुम. तुम्हारी आईसक्रीम बहुत मीठी है.

मैं पूरी ताकत से धक्के लगा रहा था और जैसे ही झड़ने को हुआ, मैंने अपना लंड शाईना की चूत से निकाल कर मुँह में दे दिया. वो मेरा सारा पानी पी गयी.

इसी तरह बारी बारी मैंने 6-7 बार शार्डना की चूत का पानी निकाला. मैंने उसकी गांड मारने की इच्छा जतायी तो वह बोली- आज तुमने पहले ही मेरी चूत को चोद चोद कर मेरी हालत खराब कर दी है. तुम्हें मेरी गांड भी मिलेगी, पर आज नहीं और किसी और दिन.

फिर हमने अपने कपड़े पहने और खुद को ठीक किया. फिर 30 मिनट बाद हम दोनों की मंजिल आ गयी. हमने नंबर एक्सचेंज किये और एक दूसरे को अलविदा कह कर वहां से चले गये.

लेकिन इंदौर वापिस आने के बाद हम फिर मिलें और हमने बहुत मजे किये.

मेरी कहानी के बारे में सभी पाठक अपने विचार और इच्छाएँ मुझे मेल कर सकते हैं.  
मेरा मेल आई डी है [nare3671@gmail.com](mailto:nare3671@gmail.com)



## Other stories you may be interested in

### कमीने यार ने बना दिया रंडी-4

मैंने अपना गिलास खत्म किया और कुछ देर सोचने के बाद आफताब से कहा- मुझे पता था कि तुम यही कहोगे, तुम्हारी घटिया सोच को मैं पहले ही भाँप चुकी थी। खैर अब जब मैं आई हूँ, तो अपना काम [...]

[Full Story >>>](#)

### वासना भरी भाभी की गांड चुदाई का मजा

दोस्तो, मैं नीतीश मेरठ से आप सबका चहेता, आज फिर से अपनी एक और सच्ची कहानी लेकर हाजिर हूँ। जैसे कि मैंने आप लोगों को पिछली सेक्स कहानी सेक्सी भाभी को पूरी नंगी करके चोदा में बताया था कि कैसे [...]

[Full Story >>>](#)

### कमीने यार ने बना दिया रंडी-3

मेरी सेक्स स्टोरी में अभी तक आपने पढ़ा कि मैंने अपने एक एक्स बॉयफ्रेंड पर भरोसा किया था। मगर साले ने मुझे एक अच्छी भली शरीफ घरेलू औरत से एक रंडी का लेबल मेरे माथे पर लगा दिया। मेरी कहानी के [...]

[Full Story >>>](#)

### कमीने यार ने बना दिया रंडी-2

मगर साथ की साथ मेरे मन में ये बात भी चल रही थी कि यार एक बच्चे के लिए क्या ज़रूरी है कि मैं कोई ऐसा गलत काम करूँ, जिसके लिए मेरी नज़रें मेरे शौहर के आगे नीची हो जाएँ। [...]

[Full Story >>>](#)

### पति ने कराई मेरी चूत की चुदाई जीजू से

मेरा नाम कलावती अशोक कलाल (बदला हुआ) है। मैं इंदौर की रहने वाली हूँ। मैं एक शादीशुदा औरत हूँ। इस कहानी में सच के अलावा कुछ और नहीं है। मैंने अन्तर्वासना को अपनी आत्मकथा बताने का जरिया बनाया है। मैं [...]

[Full Story >>>](#)

